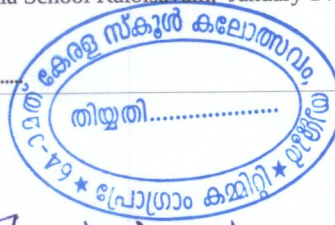




Item Code: 645



Participant Code: 039

विषय : नारियाँ - नौकरी क्षेत्रों में

नारियाँ और नौकरी के क्षेत्र

रूपरेखा

- भूमिका
- पढ़ाई का महत्व
- पुरानी वक्त कि नारियाँ और नौकरी
- उपसंहार
- आज की नारियाँ और नौकरी का क्षेत्र
- नौकरी के क्षेत्रों में नारियाँ
- सामने करने वाली मुसीबत
- नारियों का आगे आने का ज़रूरत
- आज के बच्चे
- समूह का कर्तव्य
- भूमिका

नारियाँ समूह के आधार हैं। नारियों की महत्व समझना समूह का कर्तव्य है। नारियों की महत्व जानने वाले हर लोग उनके साथ प्यार व्यवहार करेंगे। नारियों को ईश्वर के स्थान देता है। लेकिन पुरातन वक्त से नारियों को घर के नौकर के समान सब व्यवहार करते हैं। उनके विकास और उन्नती को उन लोग मना करता है। नारियों को हर वाद के लिए



മാരനെ വാലെ സമൂഹ് അജ് കൽ വെ രുഹാ ൾ.
 ലെകിൻ ഫിർ അീ നാരിയോ വികാസ കി അർ പൂരി
 താക്ത കെ സാധ് ചൽതി ൾ. നാരിയോ കെ
 മഹ്വ സമഭ്സനെ വാലീ സമൂഹ് അകെ സാധ് ഹീ
 റു കർ അകെ ജീത കെലിദ് മദ്ദ് കരതെ ൾ.
 കിതനെ അീ മുഷീകിൽ സമധ് അദ് അജ കെ
 നാരിയോ അ് പൂര താക്ത കെ സാധ് ലുടതി ൾ.
 ഇനകാ കാരണ നാരിയോ മേ റുട് വക്ലാവ അർ
 വികാസ ൾ.

"യുദ് ജീവൻ കാ നാരികാ വനിദ് ഷിങ്കാർ നഹീ"
 - നോർ ഫ്രോൺ

യുദ് അത്മവിശ്വാസ കെ സാധ് അ് പടനെ വാലീ
 നാരിയോ ജീത സൺവ ൾ.

• പുരാണീ വക്ത കി നാരിയോ അർ നാകരി

പുരാതൻ അരത മേ സ്ത്രീയോ ക്കോ
 മഹ്വപൂർ സ്താൻ വേതാ ൾ. അ് ദീവ്വർ കെ സമാൻ
 വേഖകർ പൂജാ കർതാ യാ. അകോ ഹർ ദ്വേത്രോ മേ
 ക്രാമ കർതെ കാ ഹ്ക യാ. അ്കെ ഫക് അഹ്വരണ
 ൾ. രാണീ ലക്ഷ്മീ അർ അസനെ യുദ് അംഗജീ
 സേ ലുട് കിയാ യാ. പുരാതൻ സമധ് മേ നാരിയോ

राजनीति, कानून आदि चीज़ में अपने विचार
 कहता था। फिर श्री उस समय में श्री नारियों
 भेदभाव का शिकार बना था। नारियों को
 नौकरी करने में उस समय मना था।
 जब तक की उन्हें घर से बहार भी नहीं निकल
 पाता था। नारियों को केवल घर के नौकर
 के समान देखते थे। राक और उनके पुजा
 करने के साथ दुसरी ओर से उहे उनके
 नाश कर रहा है। पुरातन समय का कहावत
 था " नारि मी है, नारि ईश्वर है, नारि
 धन है " लेकिन उस नारि के आजादी को
 पुरातन वक्त से मना किया हुआ था।
 न पुरातन समय में ये विचार था कि
 नारियाँ केवल घर के काम केलिए,
 बच्चों और घरवालों के अरुहत केलिए
 बना हुआ है। लेकिन यह विचार गलत
 है पुरुष के जैसा समान अधिकार नारियों
 को भी इस दुनिया में है। पुरातन वक्त से ही
 नारियों की आजादी, नारियों की नौकरी कखी अधिकार
 सब केलिए न नारियाँ ही आगे आया था।

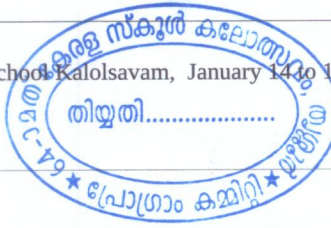
ജി. . आज कि नारियों और नौकरी का क्षेत्र

आज पूरी दुनिया विकास के चक्रान पर है। हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। शिक्षा, कानून, आदि क्षेत्र में विकास बहुत तेजी से हो रहा है। इन क्षेत्रों के साथ नारियाँ भी विकास की ओर दौड़ रही हैं। उनके विकास को मना करने वालों को पीछे छोड़कर वह आगे बढ़ रहा है। इसका कारण उन लोग उनके दिल में विकास सपना बनाया इसलिए वह उनके पीछे जा रहा है।

"सपना वो नहीं जो हम सोते वक्त देखती हैं, सपना वो है जो हमें सोने नहीं देता"

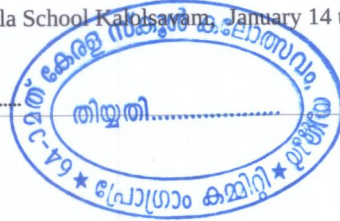
- रा. पी. जे अब्दुल कलाम

इसलिए आज कि नारियाँ नौकरी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। नौकरी के हर क्षेत्र में जैसे कि डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक आदि में नारियाँ विकसित कर हो रहा है। लेकिन वह नारियाँ मुश्किल का सामना करना पड़ता है।



नौकरी के क्षेत्रों में नारियाँ सामने करनेवाली मुसीबत

आज नारियाँ हर क्षेत्र में विकसित हो रहा है फिर भी नारियाँ कहीं तरह के मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। घर से लेकर शस्ते तक, शस्ते से लेकर काम करने वाले जगह तक नारियाँ पीड़ित हो रहा है। घर से नारियों को कहीं तरह के पीडा अनुभव करना पड़ता है। घर वाले उसे काम करने से मना करता है उसे छोटी-छोटी बात पर इत्तलिदा जखडा करती है। इससे वह नारियों के खुशी और शांती नष्ट हो जाएगे और वह काम करने से पीछे हो जाएगे। नारियाँ मुसीबत सामने करने वाली दूसरी ~~क्षेत्र~~ है स्थान है शस्ता काम के बाद रात को घर जाने वाले नारियों को अपहार से लेकर समूह के काले हाथों तक मुसीबते देखकर बीठा है। काम करने वाले जगह में भी दोसा काले हाथे अकेलिदा बीठा है और काम की जगह पर होने वाली स्त्री-पुरुष भेदभाव नौकरी से मिलने वाली ऐसे कम देना



काम उलती देने से मना करना सब इसका
उद्देश्य है। फिर भी इन मुसीबतों को सामना
करके वह आगे बढ़ रहा।

"कितने कड़ी रास्ता होगा फल उतनी ही
मीठा होगा"

— थोमस पेन

• नारियों का आगे आने का ज़रूरत

नारियाँ हर मुसीबत का सामना करते
हुए आगे आ रही हैं। केवल एक सपने से
नहीं हर वक्त उसके लिए प्रयत्न करने से ही
हमें नारियों आगे बढ़ सकता है। अपने
सपने के पीछे इतने ताकत से चलने कि कारण
कई नारियाँ अलग-अलग क्षेत्रों में आगे आया
है इसके उद्देश्य है कल्पना चावला,
इन्दीरा गांधी, कोनेरु हूयी जैसे नारियाँ।

"आप कुछ करना चाहते हैं तो इससे क्या
फर्क पड़ता है आप कहीं हैं"

— कल्पना चावला

नारियाँ आगे आने से केवल उस क्षेत्र में नहीं पूरी

കുതിയാ മേ വകുലാവ വനാ സകതാ ഹേ । ഇസലിഫ
ഹമാരേ ദേശ കേ വികാസ കേ ലിഫ നാരിയോ കാ
വികാസ ഹരൂരത ഹേ ।

• आज के बच्चे

आज के बच्चे और कल का हमारा
देश दोनों एक सिक्के के दो पहलू जैसा है ।
तो बदलाव करने हे तो पहले हम बच्चों
से शुरुवात करना है । बच्चों को नारि के
गुणों के बारे में सिखाना है उनके कमि
के बारे में नहीं । उन्हें अच्छी तरह से व्यवहार
करने कि जरूरत के बारे में भी हम सिखाना
चाहिए । बच्चियों को काम करने के जरूरत
के बारे में भी बताना चाहिए । आज के बच्चों
को उनके साथ होने वाली माँ, दीदी । वहन सक्के
जरूरत समझ आया तो । कल हमारा देश मे
नारियो भामना करे वाली हर मुसबित का भामना
कर सकता है ।

"आज के बच्चे कल के देश का नागरिक "

- जयशंकर नहरू



• समूह का कर्तव्य

हम एक व्यक्ति को बनाने में समूह का स्थान बड़ा है। एक व्यक्ति को बुरा या अच्छा बनाने के लिए समूह एक शब्द ही काफी है। इसलिए नारियों के विकास और नौकरी क्षेत्रों में उनके स्थान बढ़ाने को समूह ज्यादा काम कोई और नहीं कर सकती। हम एक बार उनके अच्छे के लिए काम किया तो पूरा देश में भी अच्छे फैल जाएगा। हम बच्चों को और दूसरी लोगों को नारियाँ और उनको नौकरी के क्षेत्र में देने वाली व्यवहार को बदल कर प्यार से व्यवहार करें तो सब अवस्था खत्म हो जाएगा।

"**एक बदलाव बना
जो आप ये दुनिया
में देखना चाहते हैं**"

— महात्मा गाँधी

പഠाई का महत्व

പഠाई से हमें कई चहुँपान आसानी से पार कर सकते हैं। पഠाई के बिना विकास असंभव है। पഠाई का महत्व हम समझना चाहिए। पഠाई से ही हमें अच्छे नौकरी मिलते हैं। इसलिए आज भी कई जगह में केवल पुरुषों को ही पഠाई देती है। लड़कियों को ये मना कर रखा है। पഠाई जीवन में उलती पाई कई लड़कियाँ हैं इस में दक है कल्पना चावला। लड़कियों और बच्चों कि पഠाई के लिए काम करा कई लोग हैं उसमें दक है मलाला यूसफसाई। उसने पഠाई के महत्व समझ कर सब लोगों के लिए काम किया।

"दक कलम, दक किताब, दक शिक्षक पूरी दुनिया को बदल सकते हैं।"

— मलाला यूसफसाई

उपसंहार

नारियो के विकास से केवल उन्हे ही नहीं पूरे दुनिया को विकास होगा। नारियो नौकरी के क्षेत्र में बढ़ने से यह विचार नष्ट हो जाएगा कि पुरुष ही काम केलिना ताकतवर। नारियो के सम्मान करने कोई भी कमी नहीं करना चाहिए। उनके विकास केलिना हम हर समय काम करना चाहिए। नारियो खुद भी विकास केलिना चलना चाहिए। और सब पुरानी कहानी को तोड़कर नया जीत की कहानी बनाने चाहिए। नौकरी के क्षेत्र में ही नहीं हर क्षेत्र में नारी थी विकसित होना चाहिए। क्योंकि यह दुनिया में स्त्री और पुरुष दोनों भी एक साथ बना था, एक साथ जीता था। इसलिना इस दुनिया किसकेलिना भी कोई सिमा न सीमा नहीं है।